Class - IV

Date
Page

हिंदी व्याकरण

पाठ - 1 → भाषा और व्याकरण

I परिभाषा :

क) भाषा - जिस साधन के द्वारा हम अपने भावों या विचारों को लिखकर या बोलकर व्यक्त करते हैं और दूसरों के भावों या विचारों को समझते हैं, उसे भाषा कहते हैं।

ख) भाषा के रूप -
भाषा के दो रूप हैं।
i) मौखिक भाषा। जैसे- रेडियो, टेलीफ़ोन, आदि।
ii) लिखित भाषा। जैसे- पुस्तक, समाचार-पत्र, आदि

ग) लिपि - भाषा को लिखने के लिए जिन निर्धारित चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उसे लिपि कहते हैं।
जैसे - हिंदी, गुजराती की लिपि देवनागरी है।

घ) व्याकरण - भाषा को शुद्ध रूप में लिखना, बोलना और पढ़ना सिखाने वाले सूत्र, व्याकरण कहलाता है।
व्याकरण हमें वर्णों, शब्दों और वाक्यों के शुद्ध प्रयोग की जानकारी देता है।

II उचित शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए।

क) भाषा के दो रूप मौखिक और लिखित होते हैं।

ख) टेलीफ़ोन भाषा का मौखिक रूप है।
ग) लिखने के लिए निर्धारित चिह्न लिपि कहलाते हैं।
घ) व्याकरण हमें भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान कराता है।
ङ) जापान के लोग जापानी और कश्मीर के लोग कश्मीरी भाषा बोलते हैं।

III नीचे दिए गए भाषाओं की लिपियों के नाम लिखिए।

	भाषा	लिपि
क)	हिंदी	देवनागरी
ख)	अंग्रेज़ी	रोमन
ग)	पंजाबी	गुरुमुखी
घ)	उर्दू	फ़ारसी
ङ)	बांगला	बांगला
च)	गुजराती	देवनागरी

— x —

Class - IV

Date
Page

पाठ-2 → वर्ण विचार

I परिभाषा :

क) वर्ण - भाषा की सबसे छोटी इकाई या ध्वनि जिसके टुकड़े (खंड) नहीं किए जा सकते, उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं।
जैसे - अ, आ, इ, ई, ... आदि। (स्वर वर्ण)
क, ख, ग, घ, ----- आदि। (व्यंजन वर्ण)

ख) वर्णों के प्रकार -
हिंदी भाषा में वर्ण दो प्रकार के होते हैं।
i) स्वर वर्ण → अ, आ, इ, ... (ग्यारह स्वर हैं।)
ii) व्यंजन वर्ण → क, ख, ग, ... (तैंतीस व्यंजन हैं।)

ग) संयुक्त व्यंजन - क्ष, त्र, ज्ञ, श्र हिंदी भाषा में ये चार संयुक्त व्यंजन हैं। दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।
क्ष = क् + ष - कक्षा, परीक्षा
त्र = त् + र - मित्र, छात्र
ज्ञ = ज् + ञ - यज्ञ, ज्ञानी
श्र = श् + र - परिश्रम, आश्रम

II निम्नलिखित वर्णों को मिलाकर शब्द बनाइए।
क) न् + अ + द् + ई = नदी
ख) प् + ऐ + स् + आ = पैसा

ग) च् + इ + ड़् + इ + य + आ = चिड़िया

घ) क् + अ + व् + इ + त् + आ = कविता

ङ) न् + आ + न् + ई = नानी

च) त् + इ + त् + अ + ल् + ई = तितली

—×—

4/3